प्रवेशांक मार्च 2018

मंडल रेल प्रबंधक का संदेश

''आद्रा दर्पण'' का प्रवेशांक आपके हस्तगत है। इस अंक में दिसम्बर 2017 से फरवरी 2018 तक की उपलब्धियों को दर्शाया गया है। इसमें दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा आद्रा मंडल का वार्षिक निरीक्षण मुख्य आकर्षण है। हम लोडिंग तथा राजस्व अर्जन के साथ-साथ कर्मचारी सुविधाएं देने के लिए भी प्रयत्नशील हैं तथा इसमें सफल रहे हैं। स्टेशनों, कार्यालयों, रेलवे कॉलोनियों में साफ -सफाई तथा सौंदर्यीकरण हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। हम समाज कल्याण की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। दक्षिण पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन, आद्रा द्वारा सेनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इनसिनरेटर संस्थापित किया गया है। इसके अलावा और भी कार्य किए गए हैं जिसकी झांकी प्रस्तुत पत्रिका में है। इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए राजभाषा विभाग को बधाई।

श्री एस. एन. अग्रवाल, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे तथा अन्य प्रधान विभागाध्यक्षों द्वारा दिनांक 19.12.2017 को वार्षिक निरीक्षण के दौरान आद्रा मंडल के चाण्डिल-बर्नपुर सेक्शन में विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण तथा उद्घाटन किया गया।

श्री एस. एन. अग्रवाल, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा दिनांक 19.12.2017 को आद्रा मंडल के वार्षिक निरीक्षण के दौरान दामोदर और मधुकुण्डा के बीच पुल का निरीक्षण किया गया।

श्री एस. एन. अग्रवाल, महाप्रबंधक, द्वारा अनारा में नव निर्मित कर्मचारी आवास का उद्घाटन किया गया। साथ में हैं मुख्य प्रशासनिक अधिकारि (निर्माण), प्रधान मुख्य इंजीनियर, मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य अधिकारी।

स्थानीय कला और संस्कृति के प्रदर्शन द्वारा स्टेशन सौंदर्यीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के बराभूम स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में छऊ नर्तकों की मूर्तियां स्थापित की गईं।

पुरुलिया स्टेशन की सीढ़ियों पर की गई सुंदर पेंटिंग के लिए महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा श्री शिबराम बाउरी, मुख्य टिकट निरीक्षक/आद्रा एवं उनके दल को सम्मानित किया गया।

दिसंबर 2017 से फरवरी 2018 के बीच 16 एलएचएस बनाए गए।

दिसंबर 2017 से फरवरी 2018 के बीच 36 प्रहरीरहित समपार फाटक बंद किए गए।

गणतंत्र दिवस मनाया गया 26 जनवरी 2018 को सेक्सा स्टेडियम में मंडल रेल प्रबंधक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर **गणतंत्र** दिवस मनाया गया जिसमें सिविल डिफेंस, स्काउड एवं गाइड, रेल सुरक्षा बल ने मार्च पास्ट किया तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने आकर्षण कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

मोबाइल रेलवे डिस्पेंसरी - रेल कर्मचारियों के लिए **आद्रा मंडल** में 20 जनवरी को आद्रा- कोटशिला सेक्शन में 58163 पैसेंजर में आरंभ की गई। प्रत्येक **सेक्शन** के लिए साप्ताहिक कार्यक्रम बनाया गया है।

सोलर वाटर पंप की व्यवस्था - आद्रा मंडल के नीमडी स्टेशन पर रेलवे के बिजली विभाग द्वारा सोलर वाटर पंपिग सिस्टम की व्यवस्था की गई है। इस सोलर वाटर पंप में तेज खिली धूप के दिन 02 घटे में 4000 लीटर के ओवरहेड टैंक को भरने की क्षमता है। यह सोलर वाटर पंपिग सिस्टम दक्षिण पूर्व रेलवे में अपनी तरह का पहला है।

ग्रीन स्टेशन - तालगड़िया स्टेशन पर 2किलोवाट के सौर उर्जा संयंत्र लगाया गया है जिससे 100 प्रतिशत एलईडी प्रकाश की व्यवस्था की गई है। यह संयंत्र 1.2 किलोवाट (लगभग) का लोड संभाल सकता है। इस मांड्यूल से 2880 यूनिट की वार्षिक बचत हागी जिससे लगभग रु. 17,280/- प्रतिवर्ष की बचत होगी।

जयचण्डीपहाड़ और चाण्डिल स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया का विकास किया गया।

रेलवे के ग्राहकों के लिए पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बड़े स्टेशनों पर 01.02.2018 से 03.02.2018 तक विशेष सतर्कता अभियान चलाए गए।

रेलटेल के सहयोग से पुरुलिया के कॉनकोर्स एरिया सहित प्लेटफार्म सं. 1, 2 व 3 पर वाई-फाई की व्यवस्था की गई है।

रेलटेल के सहयोग से बोकारो स्टेशन के प्लेटफार्म सं. 1, 2 और 3 पर वाई-फाई की व्यवस्था की गई है।

दिनांक 29.12.2017 को मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई और मंडल की हिंदी पत्रिका ''जयचण्डी'' का विमोचन किया गया।

महिला कर्मचारियों के लिए सुविधा - दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में दक्षिण पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन, आद्रा द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रेलवे अस्पताल एवं द. पू. रे. उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालय आद्रा तथा बोकारो स्टील सिटी स्टेशन पर सैनिटरी नेपकिन बेंडिंग मशीन तथा इनसिनरेटर संस्थापित किया गया।

दक्षिण पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के द्वारा आद्रा में दिनांक 19.12.17 से 23.12.17 तक 29वां स्टेट कैंप रैली का आयोजन किया गया। दिनांक 23.12.17 को समापन अवसर पर मुख्य अतिथि दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक महोदय भी सम्मिलित हुए।

इतिहास में आद्रा मंडल

वर्तमान मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय वर्ष 1913में डिस्ट्रिक्ट ऑफिस के रूप में स्थापित हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य झरिया कोयला बेल्ट के साथ संपर्क रखना और बर्नपुर तथा अन्य उद्योगों के लिए कोयला का परिवहन करना था। तत्कालीन मानभम कोयला और कोयला खदान के लिए सर्वोत्कृष्ट स्थान था। वर्ष 1903 की रिपोर्ट के अनुसार मानभूम के अंतर्गत 141 कोलियरी थीं जिनमें से 115 झरिया के अंतर्गत थीं। आद्रा मंडल में भागा, जामाडोबा, लयाबाद, मोहुदा, भौंरा, संथालडीह, खानूडीह, खरखरी, राधानगर इत्यादि स्टेशनों के जरिए कोयला का परिवहन होता है। पहले मंडल मुख्यालय डिस्ट्रिक्ट ऑफिस के रूप में जाना जाता था तथा मंडल के प्रमुख को कोल मैनेजर कहा जाता था। उसके बाद यह पद रीजनल सुपरिन्टेंडेंट के रूप में बदला। वर्ष 1960 तक आद्रा मंडल चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत था। वर्ष 1961 में आद्रा के पहले रीजनल सुपरिन्टेंडेंट श्री एम.आर.एन. मूर्ति थे। वर्ष 1962 में रीजनल सुपरिन्टेंडेंट का पद मंडल परिचालन अधीक्षक के रूप में बदल दिया गया और इसे डी.एस. कहा जाने लगा। आद्रा के पहले डी.एस. श्री जी.एस.ए. सलधाना थे। वर्ष 1977 में डी.एस. पद बदल कर मंडल रेल प्रबंधक किया गया और श्री आई.एस. संधू आद्रा के पहले मंडल रेल प्रबंधक बने।

आद्रा स्टेशन और कार्यालय भवन का इतिहास

वर्ष 1903-04 में पुराना मालगोदाम के निकट एक गुमटी में केवल 15-20 कामगारों के साथ आद्रा बंगाल नागपुर रेलवे का कार्य आरंभ हुआ। बाद में वर्ष 1904 में वर्तमान स्टेशन भवन बना और 1905 में काम-काज पूरी तरह चालू हो गया। इसी समय पुरुलिया स्टेशन भवन भी बन गया। वर्ष 1908 में गाड़ी सेवा के लिए पुरुलिया - कोटशिला (छोटी लाइन) का काम भी पूरा हो गया।

संरक्षक
श्री शरद कुमार श्रीवास्तव
मंडल रेल प्रबंधक

संपादक
श्री धनेश्वर मोहंता
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी सह
अपर मंडल रेल प्रबंधक